समस्याओं का समाधान, संस्कार-संस्कृति परिवर्तन

- अलकापुरी सेवाकेन्द द्वारा कला संस्कृति महासम्मेलन संपन्न
- गुजराती फिल्म अभिनेत्री सहित कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल

महासम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए प्रांजल भट्ट, जितेन्द्र सुखडीया, ब्र.कु. सतीश, ए. वी. अस्टपुत्रे, ब्र.कु. डॉ. निरंजना, ब्र.कु. दयाल, विनोद भाई, हितेश भाई, ब्र.कु. नरेन्द्र तथा अन्य।

वडोदरा-गुज.। अलकापुरी सेवाकेन्द्र में कला संस्कृति प्रभाग द्वारा 'कला संस्कृति महासम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

किसने क्या कहा...

'कलाकार अपनी कला के द्वारा समाज में प्रेरणा और संदेश दे सकते हैं। मैं पीस ऑफ माइन्ड चैनल में शिवानी बहन को सुनती हूँ। ये मुझे समझ में आया है कि कर्म ही प्रधान है। हम जैसा कर्म करेंगे वैसा फल पायेंगे' - **गुजराती फिल्म की अभिनेत्री, निर्माता एवं निर्देशक प्रांजल भट्ट।**

'कला वो जो सबका भला करे, सबको साथ ले के चला करे। समाज में व्यापक आज की सर्व समस्याओं का समाधान संस्कार और संस्कृति परिवर्तन है। यह विद्यालय स्वर्णिम युग की संस्कृति के प्रति जागृति लाने का कार्य कर रहा है'

- **ब्र.कु.सतीश,माउन्ट आबू।**

MSU के परफॉर्मिंग आर्ट्स कॉलेज के डीन ए. वी. अस्टपुत्रे ने कहा कि मैं एक कलाकार हूँ, कलाकार को रोज़ रीयाज़ करने की आवश्यकता रहती है। मैं मेरे सात कलाकार और 1200 स्टूडेन्ट्स के साथ जब कहो नि:शुल्क सेवा में उपस्थित रहने को तैयार हूँ।

'हाथों से काम करने वाले कामदार हैं। दिमाग से काम करने वाले कारीगर कहे जाते हैं, दिल से काम करने वाले कलाकार होते हैं। संसार भी एक नाटक है, जिसमें हम सभी एक्टर हैं। स्वयं निराकार परमात्मा शिव आकर जीवन जीने की कला सिखा रहे हैं' - **वडोदरा अलकापुरी सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. डॉ. निरंजना।**

मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.दयाल ने कला संस्कृति प्रभाग की कार्यविधि सुनाई । विनय नृत्य कलाकेन्द्र के विनोद भाई तथा हितेशभाई शाह ने शुभेच्छा प्रदान की। ब्र.कु.नरेन्द्र ने सफल मंच संचालन किया। छत्तीसगढ़ से आये ब्र.कु. युगरतन तथा अहमदाबाद से आयी ब्र.कु. दामिनी ने अनेक सुंदर गीतों द्वारा वातावरण को अलौकिक बना दिया ।

आध्यात्मिक गीतों पर सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

साथ ही बहुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। ब्र.कु.मीना ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल संचालन किया ।

न्याय में पारदर्शिता का आधार आध्यात्मिकता

- आध्यात्मिक सशक्तिकरण से होगा सामाजिक समस्याओं का निवारण
- कार्यक्रम में न्यायाधीश, वकील एवं न्याय क्षेत्र से जुड़े कई जाने माने लोग हुए शामिल

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ए.के. सीकरी, वी. ईश्वरैय्या, एम.वी. रमेश, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा, डॉ. गिरीश पटेल, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. लता, बी.एल. महेश्वरी तथा मुकेश आहुजा।

गुरूग्राम-ओ.आर.सी.। भारत ऐसा देश है जहाँ आध्यात्मिकता का विशेष स्थान है। आध्यात्मिक नेताओं और महात्माओं की ये उद्गम स्थली है। उक्त विचार सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर में न्यायविदों के लिए 'स्प्रिच्युअलिटी फॉर जस्ट एंड पीसफुल सोसायटी' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता से ही न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सकती है। आध्यात्मिकता को जीवन में धारण करने से न्याय से जुड़े हुये सभी लोगों में प्रेम, दया और शांति जैसे मूलभूत गुणों का विकास होगा। उन्होंने आगे कहा कि भगवान ने जब हमें बनाया तो सभी आध्यात्मिक शक्तियों से सम्पन्न किया था, लेकिन धीरे-धीरे भौतिक जगत के प्रभाव के कारण हमारी वो शक्तियाँ क्षीण होती गईं। उन्होंने कहा कि यहाँ आकर मुझे एक अद्भुत ऊर्जा का अनुभव हो रहा है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैय्या ने कहा कि जब हमारा भारत देश आध्यात्मिक शक्तियों से सम्पन्न था तो सोने की चिड़िया कहलाता था। लेकिन आज उन मूल्यों की कमी के कारण देश की हालत बहुत ही नाज़ुक दौर से गुज़र रही है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही समाज का विकास संभव है।

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार न्यायमूर्ति एम.वी. रमेश ने कहा कि आध्यात्मिकता ही जीवन का मुख्य सार है। बिना आध्यात्मिकता के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

'हमारे संविधान व न्याय प्रक्रिया में प्राय: दो शब्दों का विशेष महत्व है, सत्यमेव जयते और अहिंसा परमोधर्म। वास्तव में इन दोनों शब्दों में आध्यात्मिकता समाई हुई है। आध्यात्मिकता हमें स्वयं से जोड़ती है। स्वयं का बोध होने से ही जीवन सुख-शांति से भर जाता है'

- **ब्रह्माकुमारीज़ के अति. सचिव ब्र.कु. बृजमोहन।**

'योग ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे जीवन में आध्यात्मिक शक्तियों का विकास होता है' - **ब्र.कु. आशा।**

कार्यक्रम में मुम्बई से आए सुप्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। दिल्ली करोलबाग सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. पुष्पा ने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना करना है।

जोधपुर से आए प्रसिद्ध वकील बी.एल. महेश्वरी ने न्यायविदों के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं का विस्तार से वर्णन किया।

दिल्ली से आए प्रसिद्ध वकील मुकेश आहुजा ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध वकील ब्र.कु. लता ने किया।

शक्तिशाली एवं सकारात्मक विचारों से बनता जीवन खुशनुमा

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। मन के शक्तिशाली एवं सकारात्मक विचारों से अनेक शारीरिक बीमारियाँ भी ठीक हो जाती हैं। मन की सकारात्मक ऊर्जा हमारे सम्बंधों को भी बेहतर बनाती है। उक्त विचार मुम्बई से आए प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल ने सनसिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सेक्टर-54, गुरूग्राम में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'शान्ति के अद्भुत अनुभव' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि जितना हम स्वयं को जानते हैं, अपने आपसे बातें करते हैं। उतना ही हमें अपनी क्षमताओं का पता लगता है। स्वयं की क्षमताओं का पूर्ण विकास न होना भी तनाव का कारण बन जाता है, राजयोग हमारी आन्तरिक शक्तियों का पूर्ण विकास कर उन्हें जागृत करता है।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि आज लोग खुशी बाहरी चीज़ों में ढूढ़ते हैं, लेकिन वास्तव में खुशी तो आत्मा का स्वाभाविक गुण है। जितना हम अपने आत्मिक भान में रहते हैं उतना हममें स्वत:ही खुशी का संचार होता है।

कार्यक्रम के दौरान विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. शिवानी। ध्यानपूर्वक सुनते हुए शहर के गणमान्य जन।

उन्होंने कहा कि भौतिक चीज़ों की खुशी विनाशी है। जैसा आहार होता है वैसा ही व्यवहार बन जाता है। भोजन का हमारे मन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ भी हम हैं, हमारे अपने कर्मों का ही परिणाम है। मनुष्य धन कमाने के पीछे लगा रहता है लेकिन दुआएं कमाने की नहीं सोचता। वास्तव में असली कमाई दुआएं कमाना है।

कार्यक्रम के प्रति राजस्थान हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस एस.एन. झा एवं गुरूग्राम के अतिरिक्त उपायुक्त विनय प्रताप सिंह ने भी अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Dec 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।